राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर
राज्य कृषि प्रबंध संस्थान परिसर, दुर्गापुरा, जयपुर–302018, फोन– 0141–2552796

वनपाल एवं वनरक्षक सीधी भर्ती परीक्षा–2020

लिखित परीक्षा की स्कीम एवं पाठ्यक्रम

परीक्षा की स्कीम :–

क.सं.	पद का नाम	अधिकतम पूर्णांक	प्रश्नों की संख्या	परीक्षा–अवधि
1.	वनपाल	100	100	2 घण्टे
2.	वनरक्षक	100	100	2 घण्टे

नोटः–

1. प्रश्न पत्र में समस्त प्रश्न **बहुविकल्पीय** (Objective) प्रकार के होंगे।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे।
3. किसी प्रश्न विशेष के गलत उत्तर के लिए परीक्षार्थी के प्राप्तांकों में से उस प्रश्न के पूर्णांक का एक तिहाई (1/3) अंक काटा जावेगा।
4. केवल लिखित परीक्षा में प्राप्त अंक ही अन्तिम चयन के लिए विचार में लिए जायेंगे। शारीरिक उपयुक्तता और शारीरिक दक्षता परीक्षण/ट्रेड परीक्षण के लिए प्रत्येक प्रवर्ग अर्थात् अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गो, अति पिछड़े वर्गो, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो और अनारक्षित वर्गो के लिए बुलाए गए अभ्यर्थियों की संख्या सुसंगत प्रवर्ग में रिक्तियों की संख्या के **पांच गुने तक** निर्बंधित होगी। परन्तु–

- शारीरिक दक्षता परीक्षण/ट्रेड परीक्षण के लिए उस प्रवर्ग विशेष की संक्षिप्त सूची में रखे गये अंतिम अभ्यर्थी के समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को शारीरिक उपयुक्तता और शारीरिक दक्षता परीक्षण/ट्रेड परीक्षण के लिए बुलाया जायेगा।
- शारीरिक उपयुक्तता और शारीरिक दक्षता परीक्षण/ट्रेड परीक्षण के लिए संक्षिप्त सूची में रखे गये अनारक्षित प्रवर्ग के अंतिम अभ्यर्थी से अधिक या उसके समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को, चाहे वे किसी भी प्रवर्ग के हो, ऐसे प्रशिक्षण के लिए संक्षिप्त सूची में रखा जायेगा।

पाठ्यक्रम

वनपाल की भर्ती परीक्षा का पाठ्यक्रम :– राजस्थान वन अधीनस्थ सेवा नियम–2015 के नियम–27 एवं अनुसूची–IV के अनुसार निम्नानुसार हैः–

राजस्थान राज्य के विशिष्ट संदर्भ के साथ सीनियर सैकण्डरी स्तर के सामान्य ज्ञान, जिसमें दैनिक विज्ञान, गणित, सामाजिक अध्ययन, भूगोल, इतिहास, संस्कृति, कला, समसामयिक विषय आदि समाविष्ट हों, पर वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न।

वनरक्षक की भर्ती परीक्षा का पाठ्यक्रम :– राजस्थान वन अधीनस्थ सेवा नियम–2015 के नियम–27 एवं अनुसूची–IV के अनुसार निम्नानुसार हैः–

राजस्थान राज्य के विशिष्ट संदर्भ के साथ माध्यमिक स्तर के सामान्य ज्ञान जिसमें दैनिक विज्ञान, गणित, सामाजिक अध्ययन, भूगोल, इतिहास, संस्कृति, कला, समसामयिक विषय आदि समाविष्ट हों, पर वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न।

(हरि प्रसाद शर्मा)
अध्यक्ष